मुसलमान दूसरों को इस्लाम में क्यों बुलाते हैं?

रेटिंग:

विवरण:

श्रेणी: लेख इस्लाम की मान्यताएं इस्लाम क्या है

द्वारा: Aisha Stacey (© 2014 IslamReligion.com)

पर प्रकाशित: 04 Nov 2021

अंतिम बार संशोधित: 04 Nov 2021

यदि आपने कुछ इतना अद्भुत खोज लिया है कि आप बहुत ज्यादा उत्साहित हैं, तो आप सबसे पहले क्या करना चाहेंगे? यदि आपने किसी पहेली का उत्तर निकाला है और जानते हैं कि अन्य लोग भी ऐसा ही करने की कोशिश कर रहे हैं, तो आपको कैसा लगेगा, आप कैसी प्रतिक्रिया देंगे? यदि आपने जीवन का अर्थ या ब्रह्मांड के रहस्यों की खोज की, तो आप उस ज्ञान का क्या करेंगे? यदि आपने भय और दुख को दूर करने और शाश्वत सुख पाने का कोई तरीका निकाला है तो आप क्या करेंगे?

अधिकांश लोग अपने उत्साह को नियंत्रित नहीं कर पाएंगे और अधिक से अधिक लोगों को बताना चाहेंगे। वे सभी को बताना चाहेंगे कि उन्होंने इस उम्मीद में क्या खोजा था कि वे उतने ही रोमांचित और उतने ही उत्साहित होंगे और यही संक्षिप्त उत्तर है कि मुसलमान दूसरों को इस्लाम मे क्यों बुलाते हैं, क्योंकि वे बिना किसी संदेह के आश्वस्त हैं कि इस्लाम जीवन का अर्थ है, ब्रह्मांड का रहस्य और शाश्वत सुख की कुंजी सभी एक प्राप्य और समझने योग्य पैकेज में हैं और वे चाहते हैं कि इस पृथ्वी पर हर एक व्यक्ति यह जाने।

लेकिन इसका एक लंबा उत्तर भी है और इसमें ईश्वर की आज्ञाओं का पालन करना, पैगंबरों के नक्शेकदम पर चलना और परलोक के जीवन में शाश्वत शांति और खुशी प्राप्त करने की आशा में आशीर्वाद प्राप्त करना शामिल है।

इस्लाम वह है जिसे कभी-कभी धर्मांतरित करने वाला धर्म कहा जाता है। इसका मतलब है कि यह एक ऐसा धर्म है जो लोगों को यह समझाने का प्रयास करता है कि उसकी विश्वास प्रणाली सही विश्वास प्रणाली है। इस्लाम एक ऐसा धर्म है जो न केवल जीवन के सभी बड़े सवालों के जवाब रखता है बल्कि इसमें यह भी शामिल है कि कोई भी मुसलमान हो सकता है, इस पर कोई प्रतिबंध नहीं है। इस्लाम हर जगह, हर समय और सभी लोगों के लिए एक धर्म है। किसी को भी सच्चाई सीखने से नहीं रोका जा सकता है, चाहे उनकी धार्मिक पृष्ठभूमि कोई भी हो, या वे किसी भी जाति या राष्ट्रीयता के हों।

एक बार जब कोई व्यक्ति मुसलमान बनता है, तो वह हर दूसरे मुसलमान के बराबर होता है और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वे कहाँ से हैं, वे कैसे दिखते हैं या इस्लाम अपनाने से पहले उनके जीवन और दिलों की स्थिति क्या थी। ईश्वर के बारे में सच्चाई और हमारे लिए उसका उद्देश्य, उनकी रचना, एक ऐसी चीज है जिस तक हर किसी की पहुंच होनी चाहिए। इस प्रकार हममें से जो जानते हैं, उन्हें दूसरों को बताने के लिए ईश्वर द्वारा आज्ञा दी जाती है।

"तुम्हारे बीच एक ऐसा समूह हो जो दूसरों को भलाई के लिए बुलाता है, और जो सही है उसकी आज्ञा देता है, और जो गलत है उसे मना करता है: जो ऐसा करते हैं वे सफल होंगे।" (क़ुरआन 3:104)

"बुद्धि और निष्पक्ष उपदेश के साथ अपने रब के मार्ग की ओर बुलाओ, और उनके साथ सर्वोत्तम तरीके से शास्त्रार्थ करो ..." (क़ुरआन 16:125)

अधिकांश लोग इस्लाम के बारे में रोमांचक समाचार फैलाना चाहते हैं और साथ ही साथ ईश्वर की आज्ञाओं को पूरा करना चाहते हैं। इस्लाम के विद्वान इस बात से सहमत हैं कि दूसरों को ईश्वर के मार्ग पर बुलाना एक सांप्रदायिक दायित्व है, अर्थात प्रत्येक आस्तिक को यह महान कार्य करना चाहिए, हालाँकि यदि किसी विशेष स्थान पर पर्याप्त संख्या में लोग ऐसा कर रहे हैं, तो अन्य को मुक्त कर दिया जाता है।

इस काम को दावा कहा जाता है और जो व्यक्ति इसमें शामिल होता है उसे दाई कहा जाता है। हालाँकि यह मान लेना गलत होगा कि केवल विशिष्ट लोग ही दावा कर सकते हैं। बेशक, बड़ी भीड़ को उपदेश देने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी, लेकिन वास्तविकता यह है कि सभी मुसलमान हर दिन किसी न किसी रूप में दावा करते हैं। उनका रहने का तरीका और दूसरों के साथ व्यवहार करना अक्सर दावा का सबसे अच्छा रूप होता है। इस्लाम जीवन का एक तरीका है और जब लोग मुसलमानों के दैनिक जीवन में निहित संतोष, शील और न्याय को देखते हैं - तो यह बहुत आकर्षक लगता है और और लगना भी चाहिए। एक अच्छा उदाहरण बनना लोगों को इस्लाम में बुलाने का एक आसान तरीका है। दया और क्षमा का धर्म, जहां लोग हर दिन ऐसा व्यवहार करते हैं, उनके लिए आकर्षक है जिनका जीवन इतना जमीनी नहीं है।

जिस कारण से लोग दूसरों को इस्लाम के रास्ते पर बुलाना पसंद करते हैं, वह यह है कि वे ईश्वर के पैगंबरो के नक्शेकदम पर चलना चाहते हैं। उनका मिशन लोगों को अंधेरे से बाहर और प्रकाश में बुलाना था। उन्होंने लोगों को अविश्वास से ईश्वर एक होने मे विश्वास की ओर ले जाने का प्रयास किया। पैगंबर मुहम्मद, पैगंबरों की एक लंबी कतार में अंतिम पैगंबर थे, मानवजाति को अन्य बातों के अलावा, एक ईश्वर में विश्वास करने और उसकी सही पूजा करने वालों के लिए परलोक में अपार पुरस्कारों के बारे में बताने के लिए भेजा गया था।

"तथा नहीं भेजा है हमने आप को, परन्तु सब मनुष्यों के लिए शुभ सूचना देने तथा सचेत करने वाला बनाकर। किन्तु, अधिक्तर लोग ज्ञान नहीं रखते।" (क़ुरआन 34:28)

"हे पैगंबर! हमने भेजा है आपको साक्षी, शुभसूचक और सचेतकर्ता बनाकर तथा ईश्वर की ओर बुलाने वाला बनाकर उसकी अनुमति से तथा प्रकाशित प्रदीप बनाकर, तथा आप शुभ सूचना सुना दें विश्वास करने वालों को कि उनके लिए ईश्वर की ओर से बड़ा अनुग्रह है।" (क़ुरआन 33:45-47)

दावा करने का एक और कारण यह है कि यह असीमित अच्छाई और इनाम का स्रोत है। जब कोई व्यक्ति दूसरे के प्रभाव के कारण इस्लाम धर्म अपनाता है तो इस्लाम को अपनाने वाला व्यक्ति हर बार ईश्वर की पूजा करने पर पुरस्कार लेता है। पैगंबर मुहम्मद ने कहा, "जो कोई मार्गदर्शन के लिए बुलाता है, उसके पास उन लोगों के समान इनाम होगा जो इसका पालन करते हैं, उनमें से किसी के भी इनाम को कम किए बिना।"[1] उन्होंने यह भी कहा, "यदि ईश्वर आपके माध्यम से एक व्यक्ति का मार्गदर्शन करते हैं, यह तुम्हारे लिए लाल ऊंट रखने से बेहतर होगा।"[2] पैगंबर मुहम्मद के समय में, ऊंट बहुत मूल्यवान थे और लाल किस्म सभी में सबसे मूल्यवान थी।

मुसलमानों का मानना है कि इस जीवन में और अगले जीवन में सफल होने का एकमात्र तरीका इस्लाम धर्म के अनुसार जीना है। उनका मानना है कि जीवन के सभी बड़े सवाल जो आपको रात में जगाए रखते हैं, उनका जवाब इस्लाम द्वारा दिया जा सकता है। इस्लाम में ईमानदारी एक महत्वपूर्ण अवधारणा है; जो लोग निष्ठाहीन हैं वे जानते हैं कि उनके पुरस्कार तेजी से कम होते जायेंगे। वे ईमानवाले जो ईमानदारी से इस्लाम की खुशखबरी फैलाना चाहते हैं, उनके प्रयासों के असफल होने पर भी उनके प्रतिफल कई गुना बढ़ेंगे। मुसलमान ईमानदारी से चाहते हैं कि इस ग्रह पर हर कोई ईश्वर को उस तरह से जाने और प्यार करे जिस तरह से वे ईश्वर को जानते हैं और प्यार करते हैं और इसीलिए मुसलमान दूसरों को इस्लाम में बुलाते हैं।

फुटनोट:

[1] ???? ???????

[2] ???? ?????? ?? ???? ???????

इस लेख का वेब पता:

https://www.islamreligion.com/index.php/hi/articles/10655

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधिकार सुरक्षित हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधिकार सुरक्षित हैं।